an>

Title: The Speaker granted members on the occassion of Holi and made reference on the International Women's Day.

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, कल होलिका दहन मन-विचार-आचार की बुराई को त्यागने व नष्ट करने का दिन है। होली रंगों का त्योहार भी है। हम जनप्रतिनिधि होने के नाते सामाजिक जीवन में, राष्ट्रीय जीवन में सुख-समृद्धि के रंग भरने में कामयाब रहें, यही ईश्वर से, उस जगन्नियंता से प्रार्थना करती हूं और आप सबको होली की शुभकामनाएं देती हूं।

माननीय सदस्यगण, कल से लगातार चार दिन तक सदन स्थगित रहेगा। हम फिर 9 मार्च को मिलेंगे। उसके पहले 8 मार्च को जागतिक (अंतर्राष्ट्रीय) महिला दिवस मनाया जाएगा। स्त्री एक माता के रूप में जीवनदायिनी है और प्रकृति के सृजन के नियमानुसार एक सशक्त जीव ही सृजन करने में समर्थ होता है। महिलाएं पुत्री, बहन, पत्नी, माता, सशक्त मानवी जैसे कई रूपों में समाज के उत्थान के लिए सदैव योगदान करती आ रही हैं। स्त्री राष्ट्र की शक्ति का स्रोत है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि वह भी मनुष्य है और समाज का एक महत्वपूर्ण घटक है। निर्णय लेने की प्रक्रिया, राष्ट्र निर्माण एवं जीवन के हर क्षेत्र में विकास के कार्यों में महिलाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हमें इस विचार का निरंतर प्रचार-प्रसार करना होगा। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का विषय भी यही है -- Empowering Women, Empowering Humanity – picture it यानी महिलाओं का सशक्तीकरण मानवता का सशक्तीकरण है। इसे हमें जीवन के हर क्षेत्र में मूर्त रूप में लागू करना सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर हम महिला-पुरुष सहभागिता और महिला सशक्तीकरण को सार्थक मूर्त स्वरूप देने के लिए स्वयं को पुन: समर्पित करें तथा नारी शिक्षा, सशक्तीकरण और पहचान में विषमताओं को कम करने के प्रति अपनी संवेदनापूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त करें। इसलिए मैं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

शहरी विकास मंत्री**,** आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री **(**श्री एम. वैंकैय्या नायडू**) :** मैडम, सदन की ओर से आपको भी होली की शुभकामना है और महिला दिवस की भी शुभकामना है। हम पुरुष हैं और आप महिला हैं, हम सब मानव हैं।

-